

# प्रेक्षकों के लिए मार्गदर्शिका



नगरपालिका निर्वाचन, 2017



# प्रेक्षकों के लिए मार्गदर्शिका

## भूमिका -

भारत के संविधान के अनुच्छेद 243-ZA के अधीन राज्य निर्वाचन आयोग में निहित प्लेनरी शक्तियों (plenary powers) तथा बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा 452 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। प्रेक्षक अपनी नियुक्ति की तिथि से मतदान प्रक्रिया की समाप्ति तक राज्य निर्वाचन आयोग के अधीक्षण, नियंत्रण एवं अनुशासन के अधीन कार्य करेंगे।

बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा 452 द्वारा प्रेक्षकों को नगरपालिकाओं में निर्वाचन के संचालन एवं मतों की गणना पर निगरानी रखने हेतु वैधानिक शक्तियां प्राप्त हैं। उक्त धारा का अवतरण निम्नवत है -

**"452. Observers.-** (1) The State Election Commission may nominate an Observer who shall be an officer of State Government to watch the conduct of election or elections in a constituency or a group of constituencies and to perform such other functions as may be entrusted to him by the State Election Commission.

(2) The Observer nominated under sub-section (1) shall have the power to direct the Returning Officer for the constituency or for any of the constituencies for which he has been nominated, to stop the counting of votes at any time before the declaration of the result or not to declare the result, if in the opinion of the Observer, booth capturing has taken place at a large number of polling stations or at places fixed for the poll or counting of votes or any ballot papers used at a polling station or at a place fixed for the poll are unlawfully taken out of the custody of the Returning Officer or are accidentally or intentionally destroyed or lost or are damaged or tampered with to such an extent that the result of the poll at that polling station or place cannot be ascertained.

(3) Where an Observer has directed the Returning Officer under this section to stop counting of votes or not to declare the result, the Observer shall forthwith report the matter to the State Election Commission and thereupon the State Election Commission shall, after taking all material circumstances into account, issue appropriate directions.

**Explanation -** For the purposes of sub-section (2) and sub-section (3), "Observer" shall include any such officer of the State Election Commission as has been assigned under this section the duty of watching the conduct of election or elections in a constituency or group of constituencies by the State Election Commission."

प्रेक्षक के रूप में प्रशासनिक सेवा के अनुभवी पदाधिकारियों की नियुक्ति किए जाने के पीछे यह अपेक्षा है कि संबंधित पदाधिकारी अपनी वरीयता एवं दीर्घ अनुभव से राज्य निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के संचालन में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने की स्थिति में रहेंगे। प्रेक्षक अपनी अधिकारिता में पड़ने वाले क्षेत्र में

निर्वाचन प्रबंध तंत्र, उम्मीदवारों एवं मतदाताओं के मध्य सुसंगत अधिनियम, नियमावलियों, निर्वाचन प्रणालियों तथा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई एवं निष्पक्ष ढंग से पालन हेतु अपने प्रेक्षकीय दायित्व का निर्वहन करेंगे तथा उनके अनुपालन की स्थिति से आयोग को अवगत करायेंगे। आयोग का सीधा प्रतिनिधि होने के नाते प्रेक्षकों से प्रत्याशियों तथा मतदाताओं को भी काफी उम्मीदें रहती हैं। अतः प्रेक्षक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन के संचालन में आयोग एवं मतदाताओं तथा प्रत्याशियों के बीच एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली कड़ी का कार्य करेंगे।

**आयोग तत्काल नामांकन से मतदान की तिथि तक के निर्वाचन संचालन पर नजर रखने के लिए प्रेक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। इन्हें मतगणना में भी लगाया जा सकता है।**

### **ब्रीफिंग बैठक –**

आयोग द्वारा प्रेक्षकों के लिए निर्धारित तिथि एवं स्थान पर एक ब्रीफिंग बैठक आयोजित की जायेगी जिसमें उन्हें ड्यूटी के संबंध में आयोग के निदेश उपलब्ध कराये जायेंगे। इस बैठक में प्रत्येक प्रेक्षक को भाग लेना आवश्यक होगा।

ब्रीफिंग बैठक में प्रेक्षकों को उनका नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराया जायेगा। यदि किसी प्रेक्षक को सुरक्षित सूची में रखा जाता है तो तत्संबंधी जानकारी उन्हें आयोग द्वारा दी जायेगी। प्रेक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यालय/ आवास अथवा आवासीय पते में किसी प्रकार की परिवर्तन की सूचना सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग को तुरंत देंगे।

### **प्रेक्षकों के लिए सामग्री –**

आयोग द्वारा प्रेक्षकों को ब्रीफिंग बैठक में एक बैग/फोल्डर उपलब्ध कराया जायेगा जिसमें निर्वाचन संचालन से संबंधित निदेश, आदर्श आचार संहिता तथा समय-समय पर आयोग द्वारा निर्गत महत्वपूर्ण निदेश, आयोग के पदाधिकारियों के आवासीय/कार्यालयीय एवं आयोग में स्थापित नियंत्रण कक्ष की दूरभाष संख्या की सूची की प्रति रहेगी।

### **आयोग से पत्राचार का माध्यम –**

प्रेक्षक सामान्यतया आयोग के सचिव/ संयुक्त निर्वाचन आयुक्त से पत्राचार करेंगे तथा सम्पर्क में रहेंगे। किसी अत्यन्त गंभीर विषय में उच्चस्तरीय हस्तक्षेप के संबंध में प्रेक्षक राज्य निर्वाचन आयुक्त से सीधे भी सम्पर्क कर सकेंगे।

### **नियंत्रण कक्ष –**

मतदान/पुनर्मतदान की तिथियों को आयोग कार्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहता है। प्रेक्षक उक्त अवसर पर अपनी सूचनाओं को नियंत्रण कक्ष में प्रेषित करेंगे जिसे प्रभारी पदाधिकारी, नियंत्रण कक्ष द्वारा अभिलिखित किया जायेगा एवं इन सूचनाओं पर यथा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

### **आरक्षित सूची के प्रेक्षक –**

जिन प्रेक्षकों को किसी जिले में प्रतिनियुक्त नहीं किया गया है, वैसे प्रेक्षक सुरक्षित सूची के प्रेक्षक होंगे तथा उन्हें अल्प अवधि की सूचना पर किसी जिले में भेजा जा सकता है। ऐसे प्रेक्षक किसी निजी अथवा सरकारी काम से अपने मुख्यालय का परित्याग आयोग की पूर्वानुमति प्राप्त किये बिना नहीं करेंगे।

### **अवकाश हेतु अनुरोध –**

प्रेक्षक अथवा प्रेक्षकों की सुरक्षित सूची के पदाधिकारी आयोग की अनुमति प्राप्त किये बिना किसी प्रकार

के अवकाश में प्रस्थान नहीं कर सकेंगे जबतक कि निर्वाचन कार्य समाप्त नहीं हो जाए। अवकाश हेतु आवेदन पत्र सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग को संबोधित किये जा सकेंगे।

### **भ्रमण कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार -**

प्रेक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना भ्रमण कार्यक्रम जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) को यथेष्ट अग्रिम में उपलब्ध करायेंगे ताकि जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा उनके परिवहन एवं आवासन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। प्रेक्षकों के भ्रमण कार्यक्रम के प्रचार प्रसार का दायित्व संबंधित जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) का होगा। यात्रा आरंभ करने के पूर्व प्रेक्षक आश्वस्त हो लेंगे कि उनका भ्रमण कार्यक्रम एवं उनके ठहराव स्थल एवं दूरभाष संख्या का व्यापक प्रचार-प्रसार क्षेत्र में समाचार पत्र सहित अन्य प्रसार माध्यमों से कराया गया है।

### **प्रेक्षकों को सुविधा -**

प्रेक्षकों के आवास, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निम्न व्यवस्था की जायेगी :-

1. प्रेक्षकों से प्राप्त पूर्व सूचनानुसार रेलवे स्टेशन/बस स्टैंड से ठहराव स्थल तक प्रेक्षक को ले जाने एवं क्षेत्र भ्रमण हेतु उपयुक्त वाहन यथा संभव कार अथवा जीप की व्यवस्था।
2. प्रेक्षक की सुरक्षा हेतु एक सुरक्षा कर्मी। यदि जिला दंडाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक के मत में सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपर्युक्त से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता हो, तो तदनुसार कार्रवाई हेतु वे स्वतंत्र होंगे।
3. स्कोर्ट अथवा पायलट कार की व्यवस्था प्रेक्षकों के लिए आवश्यक नहीं होगी वशर्ते कि जिला दंडाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक के मत में अन्यथा नहीं हो।
4. प्रेक्षकों के साथ स्थानीय क्षेत्र/परिस्थितियों से भिन्न किसी पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त किया जायेगा तथा प्रेक्षक को यह स्वतंत्रता होगी कि वे अपने साथ प्रतिनियुक्त सुरक्षा कर्मी, वाहन एवं उपर्युक्त पदाधिकारी के साथ अपनी इच्छानुसार आवंटित क्षेत्र में भ्रमण करें।
5. आवश्यकतानुसार वीडियोग्राफर।
6. प्राथमिक चिकित्सा किट
7. अगर प्रेक्षक मिनरल वाटर अथवा बोतलबन्द पानी की मांग करें तो उन्हें इसकी आपूर्ति की जायेगी।
8. यथासंभव प्रेक्षकों को सरकारी/अर्द्धसरकारी अतिथिगृहों में ठहराने की व्यवस्था की जायेगी।
9. प्रेक्षक, उनके सुरक्षा गार्ड, ड्राइवर तथा उनके साथ प्रतिनियुक्त मार्गदर्शक के लिए जिला प्रशासन द्वारा भोजनादि की व्यवस्था इस प्रकार की जायेगी कि उन्हें अपने मूवमेंट में स्वतंत्रता रहे।
10. जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिले में प्रतिनियुक्त प्रेक्षक को एक फोल्डर उपलब्ध करायेंगे जिसमें जिले का मानचित्र, निर्वाचन कार्यक्रम, मतदाता सूची, वार्ड में स्थापित मतदान केन्द्रों की सूची, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची (आवंटित प्रतीक चिह्न सहित), जिले के वरीय/महत्वपूर्ण असैनिक एवं आरक्षी पदाधिकारियों के दूरभाष संख्या, निर्वाचन संचालन हेतु की गई व्यवस्था तथा मतगणना कार्यक्रम की तैयारी आदि से संबंधित संक्षिप्त विवरण रहेगा।

### **प्रेक्षकों के सामान्य दायित्व**

प्रेक्षक मतदान दल के कर्मियों के प्रशिक्षण, इ.वी.एम. एवं अन्य मतदान सामग्रियों की व्यवस्था, मतदान केन्द्रों पर की गई व्यवस्था, सशस्त्र बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति, मतदान समाप्त होने के 48 घंटे पूर्व

चुनाव प्रचार रोके जाने, शराब बिक्री रोके जाने एवं अन्य संबंधित बिन्दुओं की समीक्षा कर सकेंगे एवं उसपर पैनी नजर रखेंगे। प्रेक्षक मतदान दल के कर्मियों से प्रश्न पूछकर उन्हें मतदान संचालन संबंधी नियमों की जानकारी होने का पता भी कर सकेंगे।

प्रेक्षक आयोग द्वारा निरूपित आदर्श आचार संहिता संबंधी निर्देशों की पूरी जानकारी प्राप्त करेंगे ताकि उसका अनुपालन प्रभावी एवं सार्थक ढंग से किये जाने पर नजर रख सकें।

प्रेक्षक निर्वाची पदाधिकारी/ जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) द्वारा प्रत्याशियों या उनके प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन व्यय के लेखा संधारण के संबंध में आयोजित बैठक में भाग लेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि आयोग द्वारा निर्वाचन व्यय एवं उसके लेखा के संधारण के संबंध में निर्गत अद्यतन दिशा निर्देश से प्रत्याशियों/ उनके प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया है।

**प्रेक्षक प्रत्याशियों के मित्रों एवं संबंधियों तथा उनके समर्थकों द्वारा द्वारा किये जा रहे व्यय पर पैनी नजर रखेंगे एवं इसके उल्लंघन के मामलों को अभिलिखित कर आयोग की दृष्टि में लायेंगे।**

### **प्रेक्षकों का भ्रमण**

प्रेक्षक अपने आवंटित निर्वाचन क्षेत्र में **कम से कम दो भ्रमण निश्चित रूप से करेंगे।**

#### **प्रथम भ्रमण :**

प्रथम भ्रमण का मुख्य उद्देश्य नामांकन पत्रों की सही संवीक्षा तथा निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन आयोग के निदेशों के अनुरूप सुनिश्चित करना, जिले के निर्वाचन संचालन तंत्र, प्रत्याशियों तथा मतदाताओं से वाकिफ होना एवं मतदान तथा मतगणना हेतु की गई व्यवस्था की समीक्षा करना है।

#### **संवीक्षा :**

आयोग द्वारा नामांकन पत्रों की संवीक्षा के संबंध में निर्गत दिशा-निर्देश की प्रति सभी निर्वाची पदाधिकारियों के पास उपलब्ध रहने एवं तदनुसार निर्वाची पदाधिकारियों द्वारा नामांकन की संवीक्षा किये जाने के बिन्दु पर भी नजर रखेंगे। इसके लिए यह आवश्यक होगा कि प्रेक्षक स्वयं संवीक्षा के संबंध में निर्गत निदेशों से भलीभाँति परिचित हों।

#### **क्षेत्र भ्रमण एवं मतदान केन्द्रों का निरीक्षण :**

प्रेक्षक अपने प्रथम भ्रमण के दौरान यथासंभव अपने क्षेत्र का भ्रमण कर अधिकतम मतदान केन्द्रों का निरीक्षण **रैण्डम आधार** पर करेंगे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान मतदाताओं से विशेषकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एवं कमजोर वर्ग के मतदाताओं से वार्तालाप कर निर्वाचन तंत्र एवं निर्वाचन प्रक्रिया में उनके विश्वास के स्तर की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा आवश्यकतानुसार निर्वाची पदाधिकारी/ जिला निर्वाचन पदाधिकारी को यथोचित कार्रवाई का सुझाव देंगे जिससे कि ऐसे मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया/ तंत्र के प्रति विश्वास बना रहे। **अगर भ्रमण के दौरान यह पाया जाय कि किसी मतदान केन्द्र का गठन आयोग के दिशा निदेशों के विपरीत किया गया है तो इसे तुरंत आयोग की दृष्टि में लायेंगे।**

#### **विधि व्यवस्था एवं सुरक्षात्मक व्यवस्था :**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका), आरक्षी अधीक्षक, निर्वाची पदाधिकारी, आरक्षी उपाधीक्षक आदि के साथ वार्ता कर जिले की विधि व्यवस्था की स्थिति से अवगत होंगे तथा यह देखेंगे कि जिले में उपलब्ध सशस्त्र बल की प्रतिनियुक्ति इस तरह से हो कि निर्वाचन का संचालन स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से शान्तिपूर्ण

वातावरण में संपन्न हो सके। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर की गई प्रतिनियुक्ति की गहन समीक्षा करेंगे। यदि इस संबंध में कोई बृहद समस्या हो तो उसे आयोग की जानकारी में लायेंगे।

### **मतदान की तैयारी की समीक्षा :**

मतदान संचालन से संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मतदान हेतु की गई तैयारी की गहन समीक्षा करेंगे और इस संबंध में अपनी समीक्षात्मक टिप्पणी आयोग को अपने प्रथम भ्रमण के समापन पर प्रेषित करेंगे।

### **मतदाता सूची :**

मतदाता सूची की प्रतियाँ प्रत्याशियों को दी गई हैं, इस बारे में वे आश्वस्त हो लेंगे।

### **मतदान दलों का रैन्डम आधार पर गठन :**

अपने प्रथम भ्रमण के अवसर पर निर्वाची पदाधिकारी/ जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मतदान दलों का गठन आयोग के निर्देशानुसार रैन्डम आधार पर किये जाने के बिन्दु की समीक्षा करेंगे।

प्रेक्षक द्वारा प्रथम भ्रमण से संबंधित अपना विस्तृत प्रतिवेदन ससमय आयोग को निश्चित रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।

### **द्वितीय भ्रमण :**

प्रेक्षकों का द्वितीय भ्रमण चुनाव प्रचार एवं मतदान के समय की समाप्ति तक के लिए होगा।

### **आदर्श आचार संहिता का अनुपालन :**

द्वितीय भ्रमण के दौरान प्रेक्षक अपना ध्यान प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार एवं प्रत्याशियों/ उनके प्रतिनिधियों/ प्रशासनिक तंत्र द्वारा आदर्श आचार संहिता का अनुपालन किये जाने पर केन्द्रित करेंगे तथा यह देखेंगे कि लाउडस्पीकर के उपयोग, आम सभा, जुलूस, वाहनों के उपयोग आदि के संबंध में आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निदेशों का अनुपालन सभी संबंधित द्वारा किया जा रहा है अथवा नहीं।

प्रेक्षक प्रत्याशियों द्वारा किये जा रहे व्यय पर भी नजर रखेंगे।

### **निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराना :**

आयोग की मंशा है कि चुनाव प्रचार अभियान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हो। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्याशियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो, तथा सभी प्रत्याशी तथा उनके समर्थक चुनाव को तनाव एवं हिंसामुक्त रखने हेतु जिला प्रशासन को सहयोग दें। इसे सुनिश्चित करने में जिला असैनिक एवं आरक्षी प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रेक्षक जिला प्रशासन से इस परिप्रेक्ष्य में समन्वय रखेंगे तथा इसका अनुश्रवण करेंगे ताकि चुनाव प्रचार अभियान के दौरान किसी प्रत्याशी द्वारा अनुचित लाभ नहीं लिया जा सके। उन्हें इस दिशा में भी तत्पर एवं सचेष्ट रहना होगा कि आम जनता और विशेषतः महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के विश्वास के स्तर में कोई कमी आने या समझौता (compromise) करने की नौबत नहीं आये।

### **वाहनों का उपयोग :**

आयोग द्वारा चुनाव प्रचार हेतु वाहनों के उपयोग एवं वाहनों की संख्या के संबंध में निर्गत दिशा निर्देश का पालन सख्ती से जिला प्रशासन द्वारा कराया जा रहा है अथवा नहीं, प्रेक्षक इसपर नजर रखेंगे।

### **बज्रगृह एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण :**

बज्रगृह एवं मतगणना हॉल का भ्रमण कर आश्वस्त हो लेंगे कि इ.वी.एम. को प्राप्त करने तथा इन्हे सुरक्षित रखने की समुचित व्यवस्था की गई है।

### **मतदान की तिथि हेतु की गई तैयारी :**

मतदान हेतु बड़ी संख्या में महिलाओं के उपस्थित होने से स्वतंत्र निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव होने का आभास मिलता है। प्रेक्षक आश्वस्त हो लेंगे कि मतदान की तिथि को मतदान केन्द्र पर कब्जा करने, भय का वातावरण उत्पन्न करने, मतदाताओं को भयभीत करने तथा मतदान को दूषित करने संबंधी प्रयासों को रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा यथोचित निरोधात्मक कार्रवाई की गई है तथा उस दिशा में प्रभावकारी कदम जिला प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे हैं।

**प्रेक्षक मतदान की तिथि को अपना भ्रमण कार्यक्रम गुप्त रखेंगे तथा इसकी पूर्ण जानकारी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/निर्वाची पदाधिकारी को भी देने की आवश्यकता नहीं होगी।**

मतदान की तिथि को मतदान अवधि में यथा संभव अधिकतम मतदान केन्द्रों का भ्रमण सुनिश्चित करेंगे क्योंकि मतदान की तिथि को प्रेक्षक की उपस्थिति ही मतदान को दूषित करने या मतदान हेतु गलत तरीके अपनाने पर रोक का काम करेगी। पीठासीन पदाधिकारी एवं मतदाताओं से बातचीत कर यह पता लगायेंगे कि मतदान सही ढंग से चल रहा है अथवा नहीं। मतदान केन्द्र पर कब्जा किए जाने अथवा अन्य गंभीर अनियमितता प्रकाश में आने पर प्रेक्षक अविलंब इसकी सूचना निर्वाची पदाधिकारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका) तथा राज्य निर्वाचन आयोग को देंगे।

प्रेक्षक मतदान केन्द्र पर किसी प्रकार की गड़बड़ी पाने अथवा गड़बड़ी होने की आशंका अनुभव करने पर तत्संबंधी सूचना मतदान केन्द्र पर कर्तव्य पर उपस्थित पदाधिकारियों सहित आवश्यकतानुसार जिला निर्वाचन पदाधिकारी/निर्वाची पदाधिकारी को देंगे।

प्रेक्षक मतदान केन्द्र के अन्दर जा सकेंगे तथा मतदान दल द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा कर सकेंगे।

मतदान उपरांत इ.वी.एम. को सशस्त्र बल की अभिरक्षा में बज्रगृह ले जाने की व्यवस्था की समीक्षा करेंगे।

मतदान के समापन के उपरांत मतदान का प्रतिशत एवं मतदान के संबंध में आयोग द्वारा विहित प्रपत्र में जिला पदाधिकारी द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिवेदन की एक प्रति प्रेक्षक प्राप्त करेंगे तथा उनके द्वारा आयोग को समर्पित किये जाने वाले प्रतिवेदन के साथ यह प्रतिवेदन संलग्न किया जायेगा।

**पुनर्मतदान एवं स्थगित मतदान :** मतदान के उपरांत प्रेक्षक द्वारा समर्पित प्रतिवेदन आयोग द्वारा पुनर्मतदान के लिए जाने वाले निर्णय के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण दस्तावेज होगा, अतएव यह अपेक्षा की जाती है कि प्रेक्षक द्वारा विभिन्न मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान मतदान केन्द्रों पर घटित घटनाओं, यदि कोई हों, का विस्तृत विवरण आयोग को भेजा जायेगा।

### **मतगणना :**

प्रेक्षक मतगणना प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। मतगणना के संबंध में मतगणना अनुदेश पुस्तिका में विस्तृत दिशा-निदेश दिये गये हैं। मतगणना संबंधी दिशा-निदेश का स्वयं अनुपालन करेंगे तथा मतगणना से जुड़े सभी पदाधिकारी/कर्मियों से अनुपालन कराना सुनिश्चित करेंगे। मतगणना समाप्ति के पश्चात मतगणना संबंधी प्रेक्षकीय प्रतिवेदन आयोग को भेजेंगे।



## प्रेक्षकों का अंतिम प्रतिवेदन :

प्रेक्षक द्वारा आयोग को मतदान संबंधी अंतिम प्रतिवेदन भेजा जाएगा। अन्तिम प्रतिवेदन में निम्न बिन्दुओं को सामान्यतः समावेशित किया जायेगा –

- (1) निर्वाचन का संचालन निष्पक्ष, पूर्वाग्रह रहित तथा स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों से प्रभावित नहीं होने के संबंध में।
- (2) उम्मीदवार/राजनीतिक दलों से प्राप्त परिवाद पत्रों पर की गई कार्रवाई।
- (3) मतदान केन्द्रों की स्थापना, मतदान दलों का गठन, सशत्रु बलों की प्रतिनियुक्ति, विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं मतदान हिंसा को रोकने तथा मतदाताओं को भयभीत करने से रोकने हेतु की गई निरोधात्मक कार्रवाइयां।
- (4) आदर्श आचार संहिता का अनुपालन करने हेतु स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा उठाये गए कदम एवं इसके उल्लंघन के मामलों में की गई कार्रवाई।
- (5) प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन व्यय की अधिसीमा से अधिक व्यय करने के बिन्दु पर नजर रखने हेतु निर्वाची पदाधिकारियों द्वारा किये गये उपाय।

## प्रकीर्ण

- (1) किसी भी परिस्थिति में प्रेक्षक प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के प्रतिनिधियों से वार्ता नहीं करेंगे।
- (2) प्रत्याशियों की बैठक अपने स्तर से आहूत नहीं करेंगे। अगर ऐसी कोई बैठक निर्वाची पदाधिकारी/जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बुलाई गयी है तो प्रेक्षक उसमें भाग ले सकेंगे।
- (3) प्रेक्षक आयोग को प्रेषित प्रत्येक प्रतिवेदन पर यथास्थिति, स्पष्ट रूप से प्रथम प्रतिवेदन, द्वितीय प्रतिवेदन, तृतीय प्रतिवेदन आदि क्रमानुसार अंकित करेंगे।
- (4) प्रेक्षकों को उनके द्वारा भेजे गये प्रतिवेदन के कारण किसी प्रकार प्रताड़ित (victimised) नहीं किया जाये, इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग सभी व्यवहारिक कदम उठायेगा।
- (5) अपने कर्तव्यों का सम्यक पालन नहीं करने अथवा किसी अभ्यर्थी के पक्ष/विपक्ष में कोई कार्रवाई करने की शिकायत की संपुष्टि होने पर संबंधित प्रेक्षक कड़ी अनुशासनिक कार्रवाई के पात्र होंगे।

## प्रेक्षक द्वारा समर्पित किये जाने वाले प्रतिवेदन के बिन्दु

### प्रथम भ्रमण

प्रेक्षक नाम निर्देशन अवधि में आवंटित क्षेत्र में निश्चित रूप से योगदान करेंगे तथा संवीक्षा की समाप्ति एवं प्रतीक आवंटन के पश्चात संवीक्षा से संबंधित बिन्दुओं पर एक संक्षिप्त प्रतिवेदन आयोग को भेजेंगे।

निम्नांकित बिन्दुओं से संबंधित प्रतिवेदन आयोग को समर्पित किये जायेंगे।

- (1) जिला प्रशासन एवं निर्वाचन तंत्र विशेष कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक के बीच टीम भावना के संबंध में।

- (2) निरीक्षण किये गये मतदान केन्द्रों की सूची एवं उससे संबंधित कोई विशिष्ट समस्या।
- (3) आवंटित क्षेत्र में विधि व्यवस्था की स्थिति का स्वआकलन।
- (4) निरोधात्मक गिरफ्तारी एवं अच्छे व्यवहार के लिए बन्ध-पत्र एवं प्रतिभूति के संबंध में।
- (5) आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की जानकारी प्रत्याशियों को दी गई है अथवा नहीं।
- (6) लोक अथवा निजी सम्पत्ति के विरूपण के संबंध में कार्रवाई हेतु जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थायुक्तनी प्रभावी है।
- (7) परिसदन/निरीक्षण भवन / गेस्टहाउस के उपयोग के संबंध में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन किया जा रहा है अथवा नहीं।
- (8) मंत्रियों द्वारा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय पदाधिकारियों से भेंट के संबंध में।
- (9) मतदान सामग्रियों की उपलब्धता।
- (10) मतदान दल का रेन्डम आधार पर गठन।
- (11) प्रत्याशियों को मतदाता सूची दिये जाने के संबंध में।

## द्वितीय भ्रमण

द्वितीय भ्रमण चुनाव प्रचार एवं मतदान तक के लिये होगा।

**प्रेक्षक द्वारा द्वितीय भ्रमण से संबंधित निम्नांकित विन्दुओं से संबंधित प्रतिवेदन मतदान समाप्ति की तिथि के तीन दिनों के अन्दर आयोग को समर्पित किए जायेंगे-**

- (1) चुनाव प्रचार में वाहनों का उपयोग, वाहनों का काफिला, मंत्रियों एवं अन्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण, परिसदन/निरीक्षण भवन के उपयोग, आम सभा, संपत्ति विरूपण के मामले में आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का अनुपालन।
- (2) ब्रजगृह की सुरक्षा व्यवस्था।
- (3) मतदत्त इ.वी.एम. को प्राप्त करने की व्यवस्था।
- (4) मतदत्त इ.वी.एम. के परिवहन के दौरान प्रत्याशियों/उनके प्रतिनिधियों को पीछे आने की अनुमति।
- (5) पीठासीन पदाधिकारियों की डायरी पढने हेतु की गई व्यवस्था।
- (6) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में करने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक द्वारा की गई व्यवस्था।
- (7) संवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान में जिला प्रशासन द्वारा अपेक्षित सावधानी एवं सतकर्ता बरतने तथा इन मतदान केन्द्रों पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु की गई व्यवस्था।
- (8) मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व चुनाव प्रचार थमने।
- (9) मतदान दल एवं मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण।
- (10) मतदान की तिथि को निरीक्षण किये गये मतदान केन्द्रों की सूची एवं ततसंबंधी प्रतिवेदन।

## प्रेक्षकों के लिए “क्या करें” (Do's) और “क्या नहीं करें” (Don'ts)

### “क्या करें” (Do's)

1. आयोग द्वारा समय-समय पर नियत ब्रीफिंग बैठकों में अवश्य भाग लें।
2. सुनिश्चित करें कि सभी कागजात (documents) सही हालत में आपको प्राप्त कराये गये हैं।
3. अपने कार्यालय एवं आवास का सही पता मोबाईल एवं दूरभाष संख्या सहित सचिव को उपलब्ध करा दें। इनमें समय-समय पर हुये परिवर्तन, यदि कोई हो, की भी सूचना आयोग को दें।
4. अपने भ्रमण कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर इसे आयोग तथा संबंधित जिला निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध करा दें।
5. कृपया आयोग द्वारा नियत भ्रमणों की संख्या/ अवधि को ध्यानपूर्वक नोट कर लें।
6. कृपया सुनिश्चित करें कि आपके भ्रमण कार्यक्रम का प्रचार कर दिया गया है।
7. उन क्षेत्रों/ मतदान केन्द्रों को चिह्नित कर लें जिसपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।
8. कृपया सुनिश्चित करायें कि वांछित मात्रा में निर्वाचन सामग्रियाँ उपलब्ध हैं।
9. मतदाता सूची की पूर्णता को भी सुनिश्चित करें।
10. विधि एवं व्यवस्था की स्थिति का स्वतंत्र रूप से आकलन कर लें।
11. कम से कम पाँच प्रतिशत मतदान केन्द्रों की रैन्डम जाँच कर लें।
12. आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित मामलों का अनुश्रवण करें।
13. कुछ प्रशिक्षण सत्रों में स्वयं भी सम्मिलित हों।
14. अपने मुख्यालय लौटने के 24 घंटे के अन्दर अपने भ्रमण से संबंधित रिपोर्ट आयोग को अवश्य दें।
15. **जहाँ कहीं किसी मामले पर त्वरित कार्रवाई अपेक्षित हो, उसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ निर्वाची पदाधिकारी/आयोग की दृष्टि में तुरंत लायें।**
16. अपना प्रतिवेदन बंद लिफाफे में सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग को भेजें।
17. प्रत्याशियों द्वारा किये जा रहे निर्वाचन व्यय का स्वयं आकलन करें।
18. स्थानीय लोगों से बात करें तथा पोस्टर, इश्तेहार आदि की जाँच कर किसी स्वतंत्र निर्णय पर पहुँचें।
19. मुख्यालय छोड़ने से पहले आयोग की अनुमति अवश्य प्राप्त कर लें।

### “क्या नहीं करें” (Don'ts)

1. ब्रीफिंग बैठकों से विमुक्ति हेतु कोई अनुरोध न करें।
2. अपने प्रतिवेदन की अन्तर्वस्तु के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सहित किसी के साथ चर्चा (share) नहीं करें।
3. प्रेस से वार्ता नहीं करें।
4. अपने आवासन/ सुविधाओं के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी/ निर्वाची पदाधिकारी से कोई अनुचित माँग नहीं करें।
5. निर्वाचन क्षेत्र आवंटित कर दिये जाने के पश्चात आयोग की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ें।
6. जिन मामलों में त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता हो, उनसे संबंधित रिपोर्ट भेजने में कतई बिलम्ब नहीं करें।

## प्रेक्षक का प्रतिवेदन (प्रथम भ्रमण)

पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम -

स्थान जहाँ के लिए प्रेक्षक प्रतिनियुक्त किये गये हैं -

क्रमांक	विवरण	प्रतिवेदन
1	जिला प्रशासन एवं निर्वाचन तंत्र विशेष कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक के बीच टीम भावना के संबंध में।	
2	निरीक्षण किये गये मतदान केन्द्रों की सूची एवं उससे संबंधित कोई विशिष्ट समस्या।	
3	आवंटित क्षेत्र में विधि व्यवस्था की स्थिति का स्वआकलन।	
4	निरोधात्मक गिरफ्तारी एवं अच्छे व्यवहार के लिए बन्ध-पत्र एवं प्रतिभूति के संबंध में।	
5	आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की जानकारी प्रत्याशियों को दी गई है अथवा नहीं।	
6	लोक अथवा निजी सम्पत्ति के विरुपण के संबंध में कार्रवाई हेतु जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था कितनी प्रभावी है।	
7	परिसदन/निरीक्षण भवन / गेस्टहाउस के उपयोग के संबंध में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन किया जा रहा है अथवा नहीं।	
8	मंत्रियों द्वारा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय पदाधिकारियों से भेंट के संबंध में।	
9	मतदान सामग्रियों की उपलब्धता।	
10	मतदान दल का रेन्डम आधार पर गठन।	
11	प्रत्याशियों को मतदाता सूची दिये जाने के संबंध में।	
12.	अभियुक्ति -	

स्थान -

दिनांक -

D:\pm5\Observer\_U\_17\12

प्रेक्षक का हस्तक्षार

## प्रेक्षक का प्रतिवेदन (द्वितीय भ्रमण)

पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम -

स्थान जहाँ के लिए प्रेक्षक प्रतिनियुक्त किये गये हैं -

क्रमांक	विवरण	प्रतिवेदन
1	चुनाव प्रचार में वाहनों का उपयोग, वाहनों का काफिला, मंत्रियों एवं अन्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण, परिसदन/ निरीक्षण भवन के उपयोग, आम सभा, संपत्ति विरूपण के मामले में आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का अनुपालन।	
2	ब्रजगृह की सुरक्षा व्यवस्था।	
3	मतदत्त मतपेटिकाओं को प्राप्त करने की व्यवस्था।	
4	मतदत्त मतपेटिकाओं के परिवहन के दौरान प्रत्याशियों/ उनके प्रतिनिधियों को पीछे आने की अनुमति।	
5	पीठासीन पदाधिकारियों की जायरी पढने हेतु की गई व्यवस्था।	
6	स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में करने हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक द्वारा की गई व्यवस्था।	
7	संवेदनशील मतदान केन्द्रों की पहचान में जिला प्रशासन द्वारा अपेक्षित सावधानी एवं सतकर्ता बरतने तथा इन मतदान केन्द्रों पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु की गई व्यवस्था।	
8	मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व चुनाव प्रचार थमने।	
9	मतदान दल एवं मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण	
10	मतदान की तिथि को निरीक्षण किये गये मतदान केन्द्रों की सूची एवं ततसंबंधी प्रतिवेदन।	
11	अभियुक्ति -	

स्थान -

दिनांक -

प्रेक्षक का हस्तक्षार

